गांधी मैदान पहुंच सीएम ने दी ईद की बधाई

संवाददाता ■ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ईद पर प्रदेशवासियों को मुबारकबाद दी है. साथ ही प्रदेश की सुख-समृद्धि, प्रगति, उन्नति व विकास की कामना की है. उन्होंने शुक्रवार को गांधी मैदान, फुलवारीशरीफ के खानकाह मुजीबिया व इमारत-ए-शरिया पहुंच कर मुसलिम भाइयों से मुलाकात की और ईद की बधाई दी. गांधी मैदान में इमाम इदैन हजरत मौलाना ख्वाजा अब्दुलबारी से मुलाकात कर सीएम ने मोसाफा किया. इदैन कमेटी के सदर महमूत आलम ने सीएम को टोपी पहना कर साफा पेश किया. बच्चों के साथ सीएम ने सेवई का लुत्फ उठाया. फुलवारीशरीफ के खानकाहे मुजीबिया में पीर साहब सज्जादानशीं हजरत मौलाना सैयद शाह हयातुल्लाह से मुलाकात कर सीएम ने ईद की मुबारकबाद दी. इमारत-ए-शरिया में अमीर-ए-शरीयत हजरत मौलाना निजामुद्दीन शाह व सचिव मौलाना अनिसुर्रहमान कासमी से मुलाकात कर ईद की मुबारकबाद दी.

गांधी मैदान में लोगों को ईद की बधाई देते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार.

पटना सिटी के मीतनघाट खानकाह में सेवई खाते राजद प्रमुख लालू प्रसाद.

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईद समता, आपसी भाईचारा, पारस्परिक प्रेम व सांप्रदायिक सौहार्द का त्योहार है. छोटे-बड़े, गरीब-अमीर, ऊंच-नीच, सभी फर्क मिट जाते हैं. जुम्मा के दिन ईद का होना खुशी की बात है. मौके पर खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्याम रजक, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष नौशाद अहमद, सीएम के प्रधान सचिव अंजनी कुमार सिंह, सचिव अतिश चंद्रा व संजय कुमार सिंह, ओएसडी गोपाल सिंह भी मौजूद थे.

आपसी भाईचारे का पर्व है ईद : लालू

पटना ■ राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने कहा कि ईद भाईचारे का पर्व है. यह भाईचारा, शांति व सद्भाव का संदेश देती है. उन्होंने फुलवारीशरीफ के खानकाह मुजीबिया, इमारत-ए-शरिया, पटना सिटी के खानकाह ईमादिया, दरगाह-ए- इश्क तकियाशरीफ, खानकाह मोनमिया मितनघाट, मदरसा इसलाहुल मुसलमिन मीर शिकार टोली में मौलाना अब्दुस शमी जाफरी, सुलतानगंज व सब्जीबाग में लोगों से गले मिल कर ईद की मुबारकवाद दी. उनके साथ अब्दुल बारी सिद्दीकी, रामकृपाल यादव, अनवर अहमद, मो जावेद, कौसर खान, सलाउद्दीन मंसूरी, निगम पार्षद धर्मेंद्र मुन्ना भी मौजूद थे.

ईद मुबारक

लोजपा अध्यक्ष रामविलास पासवान ने ईद के मौके पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है. उन्होंने कहा कि ईद में सभी राग-द्वेष भुला कर गले मिलते हैं .पार्टी के पटना महानगर अध्यक्ष मो कमाल परवेज के निवास पर जाकर उन्होंने ईद मिलन समारोह में भाग लिया. मौके पर लोजपा संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष चिराग पासवान, पूर्व सांसद डॉ एजाज अली, पूर्व मंत्री शाहजहां अहमद, प्रदेश महासचिव महताब आलम, मीडिया प्रभारी ललन कुमार चंद्रवंशी, डॉ सत्यानंद शर्मा, विष्णु पासवान, दीनानाथ क्रांति, राजेंद्र विश्वकर्मा, उपेंद्र यादव, राजेश गुंजन, अनिल कुमार आदि मौजूद थे.

■ सिपाहियों की नियुक्ति से कमी होगी दूर

अब बहाल नहीं होंगे सैप जवान

कौशलेंद्र मिश्र ■ पटना

'भगिहे रे चितकबरा अएलो'. सहरसा में सैप जवानों को देखते ही अपराधी भागते हुए चिल्लाते थे. वर्ष 2006 के अप्रैल-मई में पंचायत चुनाव का वक्त था. सहरसा के तत्कालीन एसपी जावेद अख्तर ने सैप जवानों से कहा था, 'स्थानीय भाषा का प्रयोग न करें. अपराधी आपसे और दूर भागेंगे.' लेकिन, सैप जवानों की हनक धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है. अब, तो पुलिस मुख्यालय के आलाधिकारी भी स्वीकारते हैं कि सैप जवानों की जरूरत नहीं है. इनकी जगह नियुक्त होनेवाले नये पुलिसकर्मियों को तैनात किया जायेगा. इधर, सैप जवान मनोज कुमार पांडे कहते हैं, भले ही सरकार हमें हटा दे, लेकिन आरोप लगा कर नहीं, सम्मानपूर्वक विदा करे. जो जवान गलती करते हैं, उन्हें जरूर हटा दिया जाये.

दूसरे राज्यों ने बिहार की पहल को अपनाया : झारखंड व ओड़िशा सहित दूसरे राज्यों ने बिहार में सेवानिवृत्त फौजियों को पुलिस बल में शामिल कर संगठित अपराध को नियंत्रित करने व नक्सली वारदातों पर लगाम लगाने की दिशा में पहल की थी. इन राज्यों में सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर को सैप की कमान सौंपी गयी है. बिहार में वर्ष 2006 में 1900 सैप जवानों की नियुक्ति संविदा के आधार पर एक वर्ष के लिए की गयी थी, तब से उनकी संविदा को प्रति वर्ष आगे बढ़ाया जाता रहा. 2010 में अंतिम रूप से सैप में बहाली की गयी. सैप में प्रारंभ में दूसरे राज्यों के सेवानिवृत्त फौजियों ने भी शामिल होने में रुचि दिखायी, लेकिन धीरे-धीरे उनका सम्मोहन टूटने लगा.

एसटीएफ को नक्सल क्षेत्रों में लगाया जायेगा : स्पेशल टास्क फोर्स को नक्सल क्षेत्रों में सीआरपीएफ के साथ तैनात किया जायेगा. इसके लिए एसटीएफ की चीता इकाई को दोगुना करने का प्रस्ताव है. 25 अतिरिक्त चीता कंपनियां तैयार की जानी हैं, जिनमें नवनियुक्त पुलिसकर्मियों को शामिल किया जायेगा. एसटीएफ के विशेष प्रशिक्षण के लिए वैशाली में ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना की जा रही है. इसके लिए भूमि का चयन व भवन निर्माण की तैयारी पूरी कर ली गयी है.

सैप जवानों की स्थिति

वर्तमान संख्या : 7000
जवानों का वेतन : 12 हजार
अवकाश : साल में 20 दिन
वरदी भत्ता : 2600 रुपये

पुलिसकर्मियों की स्थिति

बिहार में पुलिस बल : 56 हजार
नवनियुक्त सिपाही का वेतन : 15 हजार
वरदी भत्ता : 4600 रुपये
अवकाश : राज्यकर्मियों की भांति

पुलिसकर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया दुर्गापूजा बाद

सैप जवानों की जगह नये पुलिसकर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया दुर्गापूजा के बाद शुरू होगी. राज्य पुलिस मुख्यालय के प्रस्ताव पर गृह विशेष विभाग द्वारा पुलिसकर्मियों की नियुक्ति को लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है. केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भरती) के माध्यम से सिपाही के पद पर नियुक्ति होगी. हाल ही में पूर्व की रिक्ति के आधार पर पर्षद भरती द्वारा 7606 पदों पर सिपाही की नियुक्ति की कार्रवाई पूरी की गयी है. सूबे में राष्ट्रीय औसत को आधार मान कर 42 हजार पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की जानी है. इसे कैबिनेट की पहले ही सहमति मिल चुकी है.

नवनियुक्त पुलिसकर्मियों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण : पुलिस मुख्यालय ने एक ओर जहां 40 वर्ष से अधिक उम्र के बिहार सैन्य पुलिस-बीएमपी के पुलिसकर्मियों को जिला पुलिस बल में तैनात करने की कार्रवाई शुरू कर दी है, वहीं जिला पुलिस बल से 40 वर्ष से कम उम्र के पुलिसकर्मियों को बीएमपी में तैनात कर उन्हें सीधी कार्रवाई के लिए प्रशिक्षित किया जायेगा. इसके साथ ही, नवनियुक्त पुलिसकर्मियों को विशेष रूप से नक्सली क्षेत्रों में कार्रवाई किये जाने को लेकर प्रशिक्षण करने की योजना है.

राघोपुर में युद्ध स्तर पर चले राहत कार्य

पटना ■ लोजपा अध्यक्ष रामविलास पासवान ने वैशाली जिले के राघोपुर के बाढ़पीड़ितों के बीच युद्धस्तर पर राहत व बचाव कार्य चलाने की मांग की है. उन्होंने कहा कि राघोपुर प्रखंड के चकसिंगार, रामपुर व जोरावनपुर सहित दर्जनों गांवों के एक हजार से अधिक घर बाढ़ से घिरे हैं. करीब छह सौ घर बह गये हैं. सात लोगों की मौत हो चुकी है. सरकार के स्तर पर अब तक कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा सका है. पर्याप्त संख्या में नाव भी नहीं हैं. उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने व जिनका घर नदी में बह गया है, उन्हें जमीन खरीद कर घर बनवाने की मांग की है. शनिवार को वे संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष चिराग पासवान व राष्ट्रीय महासचिव सत्यानंद शर्मा के साथ बाढ़पीड़ितों के बीच जायेंगे.

पूर्व मंत्री अनूप लाल नहीं रहे

संवाददाता ■ पटना

- कर्पूरी ठाकुर की सरकार में थे पथ निर्माण मंत्री
- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व लालू प्रसाद ने भी जताया शोक

पूर्व मंत्री अनूप लाल यादव का शुक्रवार को सुपौल में निधन हो गया. 1967 में पहली बार विधायक बने श्री यादव 1977 में बनी कर्पूरी ठाकुर की सरकार में पथ निर्माण मंत्री रहे थे. बाद में वे सहरसा से सांसद भी हुए. 1990 में जब लालू प्रसाद की सरकार बनी, तो उन्हें मंत्री पद का प्रस्ताव मिला था, लेकिन उन्होंने स्वीकार नहीं किया. उनके निधन पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की है. अपने संदेश में उन्होंने कहा कि श्री यादव प्रख्यात समाजसेवी व प्रसिद्ध राजनेता थे. उनके निधन से न केवल सामाजिक, बल्कि राजनीति के क्षेत्र में भी अपूरणीय क्षति हुई है. सीएम ने उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ करने की घोषणा की है. वहीं, राजद प्रमुख लालू प्रसाद व पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि वे समाजवादी विचारधारा के नेता थे. उनके निधन से समाज व राज्य को अपूरणीय क्षति हुई है. लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामविलास पासवान ने कहा कि अनूप लाल यादव ने हमेशा गरीब-गुरबों की राजनीति की. वे समाज के वंचित तबकों के लिए भलाई के लिए आजीवन संघर्षरत रहे. विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता नंद किशोर यादव ने कहा कि समाजवादी विचारधारा से ओत-प्रोत अनूप बाबू मिथिलांचल व सीमांचल के लोकप्रिय नेता थे. उनके निधन से अपूरणीय क्षति हुई है.

इन्होंने भी जताया शोक : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व मंत्री गजेंद्र प्रसाद हिमांशु, राजद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ रामचंद्र पूर्वे, सांसद रामकृपाल यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, प्रो गुलाम गौस, सम्राट चौधरी, इलियास हुसैन, अशोक कुमार सिंह, चितरंजन गगन, रणधीर यादव, चंदेश्वर प्रसाद सिंह, रामनाथ ठाकुर, लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस, सूर्य नारायण यादव, डॉ सत्यानंद शर्मा, ललन कुमार चंद्रवंशी, विष्णु पासवान, रोहित कुमार सिंह, दीनानाथ क्रांति, उपेंद्र यादव, अनिल पासवान, मनीष यादव आदि.

कैपिटल अपडेट

16 से होगी भाजपा कार्यसमिति की बैठक

पटना ■ बोधगया में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की होनेवाली दो दिवसीय बैठक अब 16 अगस्त से होगी. पहले यह बैठक 17-18 अगस्त को होनी थी. यह जानकारी शुक्रवार को पार्टी के मुख्य प्रवक्ता विनोद नारायण झा ने दी. बैठक में 27 अक्तूबर को पटना में होनेवाली हुंकार रैली की सफलता को लेकर गहन मंथन होगा. गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी इसके मुख्य आकर्षण होंगे. बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मंगल पांडेय करेंगे. इसे सुशील मोदी, नंदकिशोर यादव, धर्मेंद्र प्रधान, विनोद पांडेय, रविशंकर प्रसाद, राजीव प्रताप रूडी, डॉ सीपी ठाकुर, शाहनवाज हुसैन, रामेश्वर चौरसिया, रेणु कुशवाहा, राधा मोहन सिंह, अश्विनी कुमार चौबे व नागेंद्र जी संबोधित करेंगे.

72 घंटों में नहीं मिला पानी, तो आंदोलन

पटना ■ भोजपुर की सोन नहर के अंतिम छोर तक यदि 72 घंटे में पानी नहीं मिला, तो भाजपा 12 अगस्त से आंदोलन करेगी. यह चेतावनी विधायक सह भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजय टाइगर व शिवेश राम ने दी. उन्होंने कहा कि पूरे भोजपुर में अब तक धान की रोपनी नहीं हुई है. 72 घंटे में यदि नहरों में पानी नहीं पहुंचा, तो 12 अगस्त को आरा में धरना दिया जायेगा, जिसमें भाजपा के सांसद-विधायकों के अलावा बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे. भाजपा विधायक उषा विद्यार्थी पहले ही इस मांग को लेकर भूख हड़ताल करने की घोषणा कर चुकी हैं.

आठ जिलों में लगेंगे सात लाख फलदार पौधे

पटना ■ बंजर भूमि व पानी की कम उपलब्धतावाले जिलों में इस वर्ष सात लाख पौधे लगाये जायेंगे. भूमि संरक्षण निदेशालय के माध्यम डेढ़ लाख फलदार व लकड़ी के लिए उपयोगी साढ़े पांच लाख पौधे लगाये जा रहे हैं. चयनित जमुई, बांका, मुंगेर, गया, नवादा, रोहतास, कैमूर व औरंगाबाद में पृथ्वी दिवस पर 25 हजार आम, कटहल, अमरूद व जामुन और 40 हजार शीशम, सागवान व गमहार के पौधे लगाये गये. भूमि संरक्षण निदेशक आदित्य नारायण राय ने बताया कि किसानों को मुफ्त पौधे के साथ ही 75 हजार प्रति हेक्टेयर की दर से राशि भी दी जाती है. तीन वर्षों तक पौधों की देखरेख के लिए यह राशि दी जाती है. प्रथम वर्ष में 50 प्रतिशत, दूसरे वर्ष में 25 व तीसरे वर्ष में शेष राशि दी जाती है.

अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पटना ■ भारत छोड़ो आंदोलन के अमर शहीदों को कांग्रेसियों ने श्रद्धांजलि दी. शुक्रवार को विधानसभा के पास शहीद स्मारक पर जाकर कांग्रेस नेताओं ने पुष्प अर्पित किया. सेवा दल के जवानों ने शहीदों को सलामी दी. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चौधरी ने सांप्रदायिक सद्भाव और देश की एकता व अखंडता के लिए कार्य करने की शपथ दिलायी. मौके पर प्रदेश प्रभारी सचिव केएल शर्मा, परेश धनानी, डॉ ज्योति, अनिल शर्मा, डॉ शकील अहमद, विजय शंकर दूबे, प्रेमचंद्र मिश्र, संजीव प्रसाद टोनी, लालबाबू लाल, हरखू झा, अजय कुमार सिंह, समीर कुमार महासेठ, डॉ विनोद शर्मा, प्रो उमाकांत सिंह, राजेश कुमार सिन्हा, चंदन यादव, जया कुमार, चंद्र प्रकाश सिंह, कपिलदेव प्रसाद यादव व श्रीकांत सत्यदर्शी मौजूद थे. उधर, युवा कांग्रेस के 53वें स्थापना दिवस पर 10 सूत्री शपथ दिलायी गयी. पार्टी नेताओं ने टीबी जैसी घातक बीमारियों से देश को मुक्त कराने का संकल्प लिया. कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश उपाध्यक्ष कुमार आशीष ने किया.

1100 स्कूलों में हेडवाटर टैंक से होगी जलापूर्ति

पटना ■ विषाक्त पानी पीने से स्कूली बच्चों के बीमार होने की घटनाओं के बाद पीएचइडी सतर्क हो गया है. 30 जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों के 1100 प्राथमिक स्कूलों में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत हेड वाटर टैंक से जलापूर्ति की योजना है. योजना पर 13. 55 करोड़ रुपये खर्च होंगे. स्कूलों में स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए पीएचइडी ने वाटर किट भी मुहैया कराया है. स्कूलों में पानी आपूर्ति में कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए सभी स्कूल प्रबंधन को विशेष निगरानी रखने को कहा गया है. फिलहाल संवेदकों को पांच वर्षों तक जलापूर्ति योजनाओं के रखरखाव का जिम्मा दिया गया है. इसके लिए उन्हें दो प्रतिशत अतिरिक्त राशि भी दी जा रही है. विभाग अब निगरानी का जिम्मा भी संवेदकों को देने की सोच रहा है. इसके लिए विभाग प्रस्ताव तैयार कर रहा है. जलापूर्ति में गड़बड़ी होने पर जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है.

भीम सिंह को मंत्रिमंडल से हटाएं : लालू

संवाददाता ■ पटना

राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने कहा कि ग्रामीण कार्य मंत्री डॉ भीम सिंह ने अपने बयान से शहीदों का अपमान किया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ऐसे मंत्री को तत्काल बाहर करें. शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दिल्ली में रहते हुए भी शहीद जवानों को देखने नहीं गये. पटना एयरपोर्ट पर अपने तो नहीं ही आये, उनके मंत्रिमंडल का एक भी मंत्री वहां नहीं गया. जब कारगिल युद्ध हुआ था, उस समय मैं उस समय एयरपोर्ट पर शहीदों के पार्थिव शरीर को कंधा लगाता था. बिहार की जनता ने उस समय सोना-चांदी व पैसा तक चंदा में दिया था, जिसे सेना के दिल्ली स्थित मुख्यालय में जमा कराया था. मैं और राबड़ी देवी ने कश्मीर जाकर घायल सैनिकों से अस्पताल में जाकर मुलाकात की थी.

- दिल्ली में रह कर भी शहीद जवानों को देखने नहीं गये मुख्यमंत्री

हमेशा याद रहेगी शहादत : सिंह

बिहार राज्य योजना पर्षद उपाध्यक्ष हरि किशोर सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूंछ सेक्टर में पाकिस्तानी हमले में पांच भारतीय जवानों की शहादत पूरे देश को हमेशा याद रहेगी. इस पर गर्व भी है और दुख भी. ईश्वर से प्रार्थना है कि दुख की इस घड़ी में शहीद जवानों के परिवारों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें.

शवयात्रा में किसी मंत्री ने नहीं लिया हिस्सा : भाजपा

पटना ■ विधायक व भाजपा के मुख्य प्रवक्ता विनोद नारायण झा ने कहा कि शहीद सैनिकों के अंतिम संस्कार में भोजपुर, बिहटा व छपरा में चार मंत्रियों के शामिल होने का मुख्यमंत्री और जदयू का दावा सफेद झूठ है. सरकार के पास वीडियो फुटेज उपलब्ध है. मुख्यमंत्री इसे प्रमाणित करें या गलतबयानी के लिए जनता से माफी मांगें. उन्होंने कहा कि छपरा में शहीद प्रेमनाथ व रघुनंदन प्रसाद की शवयात्रा व अंतिम संस्कार में किसी मंत्री ने भाग नहीं लिया, जबकि सीएम कह रहे हैं कि वहां अवधेश कुशवाहा व नरेंद्र सिंह गये थे. सच तो यह है कि जनाक्रोश के भय से दोनों मंत्री शवयात्रा व अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए. पटना एयरपोर्ट से मात्र एक ही दूरी पर मंत्रियों के आवास हैं, इसके बावजूद कोई नहीं पहुंचा. मंत्री भीम सिंह द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद माफी मांगने को अपर्याप्त बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री यदि सचमुच दुखी हैं, तो उन्हें अविलंब बरखास्त करें.

माफी मांगने पर भी निशाना बनाना राजनीति से प्रेरित

पटना ■ शहीदों के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी के बाद माफी मांगने के बावजूद डॉ भीम सिंह के खिलाफ हो रही बयानबाजी को जदयू ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है. पूर्व विधायक अजय पासवान व पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने के बाद मामले का पटाक्षेप हो जाना चाहिए था. इसके बावजूद मंत्री से इस्तीफा मांगना राजनीति का हिस्सा है. अतिपिछड़ा वर्ग के नेता होने के कारण विपक्षी दलों को मंत्री पच नहीं रहे हैं. चूंकि, वह विपक्ष को करारा जवाब देने के लिए जाने जाते हैं, इसलिए एन-केन-प्रकारेण उन्हें बदनाम करने की साजिश रची जा रही है.

हक के लिए संगठित रहें आदिवासी : भीम सिंह

संवाददाता ■ पटना

बिहार आदिवासी अधिकार फोरम की ओर से कालिदास रंगालय में आदिवासी अधिकार सम्मेलन हुआ. उद्घाटन ग्रामीण कार्य मंत्री डॉ भीम सिंह ने किया. उन्होंने कहा कि बिहार का आदिवासी समाज अपने हक के लिए अन्य राज्यों की तुलना में अधिक संगठित है, यह सराहनीय है.आदिवासियों पर अत्याचार न हो. इसके सरकार ने राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग गठित किया है. आदिवासी देश के मूलवासी कहलाते हैं. इसलिए उनकी समस्याओं के समाधान में प्राथमिकता मिलनी चाहिए. जदयू के प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ट नारायण सिंह ने कहा कि बिहार में विनम्र बने रहकर आदिवासियों की संगठित लड़ाई से आदिवासी राजनीति को दिशा मिल गयी है. आदिवासी परिवार के बच्चों को स्कूल में भेजने की गारंटी के लिए भी आदिवासी अधिकार फोरम को पहल करनी चाहिए. फोरम के संरक्षक डॉ प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि सहकारी संगठन पैक्स में आदिवासी आरक्षण 75 प्रतिशत उपस्थिति वाले सभी छात्रों को छात्रवृत्ति एवं आदिवासी विकास के लिए बजट में स्वतंत्र कोड लागू किया जाना सराहनीय है. मौके पर विधान पार्षद रुदल राय, झूलन गोंड, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रसाद सरकार उपस्थित थे. अध्यक्षता डॉ सुजाता सुम्ब्रई ने की.

- कालिदास रंगालय में आदिवासी अधिकार सम्मेलन

आदिवासी अधिकार सम्मेलन को संबोधित करते ग्रामीण कार्य मंत्री डॉ भीम सिंह.

बीपीएल सूची से बाहर के एससी एसटी को मिलेगा इंदिरा आवास

पटना ■ अनुसूचित जाति एवं जनजाति के योग्य परिवारों का नाम फिर से बीपीएल सूची में शामिल किया जायेगा. ऐसे परिवारों का नाम उन पंचायतों की बीपीएल सूची में जोड़ा जायेगा, जहां पर इंदिरा आवास की मूल प्रतीक्षा सूची के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सभी लाभार्थियों को आवास का लाभ मिल चुका है.

इस संबंध में ग्रामीण विकास विभाग ने सभी उप विकास आयुक्तों को अप्रैल में ही निर्देश दिया था, लेकिन अभी तक किसी ने विभाग को ऐसे परिवारों की सूची नहीं भेजी. विभाग ने अब सूची भेजने की अंतिम तिथि 15 अगस्त निर्धारित कर दी है. विभाग द्वारा निर्धारित फॉर्मेट भेजा गया है, जिसमें रिपोर्ट भेजने के लिए कहा गया है.

इसमें प्रखंड का नाम, आवेदनों की संख्या, विशेष अभियान में शामिल बीपीएल परिवारों की संख्या, प्रतीक्षा सूची में शामिल परिवारों की संख्या व कितने परिवारों को इंदिरा आवास की स्वीकृति दी गयी आदि हैं.

छूटे शिक्षक अभ्यर्थियों को एक और मौका

पटना ■ राज्य सरकार जीव विज्ञान, विज्ञान व गणित विषयों में सहायक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए मेधासूची में आये आवेदकों को काउंसेलिंग का एक और मौका दे सकती है. कई आवेदक काउंसेलिंग में उपस्थित नहीं हुए थे. इसके लिए शिक्षा विभाग में मंथन जारी है.12 अगस्त को पटना हाइकोर्ट में सरकार को शिक्षकों की नियुक्ति के मामले की रिपोर्ट करनी है. कोर्ट ने इजाजत दी, तो विभाग आवेदकों को एक और मौका दे सकता है. कोर्ट के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने तीनों विषयों के लिए पांच अगस्त को काउंसेलिंग की तिथि तय की थी. उस दिन जीव विज्ञान के लिए 12 व गणित के लिए 10 आवेदकों ने हिस्सा लिया. 1995 में तत्कालीन विद्यालय सेवा आयोग के विज्ञापन संख्या 1/85 के माध्यम से जीव विज्ञान में 329 और विज्ञान व गणित में 312 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति होनी है. कोर्ट में लंबित मामलों के कारण अब तक बहाली प्रक्रिया पूरी नहीं हो पायी है. फिलहाल जिन आवेदकों ने काउंसेलिंग में हिस्सा लिया, उनकी नियुक्ति की कार्रवाई चल रही है.

- सहायक शिक्षक नियुक्ति का मामला

सरकार की अनुमति से पांच अगस्त की तिथि निर्धारित की गयी थी. जिन लोगों ने इसमें भाग नहीं लिया उसके संबंध में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है. इस मामले में पटना हाइकोर्ट को पूरी स्थिति से अवगत करा दिया गया है. कोर्ट के निर्देश पर ही आगे की कार्रवाई होगी.

राम बुझावन चौधरी,
निदेशक, मा शिक्षा विभाग

मेडिकल कॉलेजों में बढ़ीं सीटें बरकरार रखने की चुनौती

■ पहले से ही थीं कई कमियां, सीटें बढ़ने से बढ़ा गैप ■ अगले सत्र तक बढ़ानी होंगी सुविधाएं ■ असेसमेंट के लिए बनी टीम

संवाददाता ■ पटना

एमसीआइ ने राज्य के पुराने मेडिकल कॉलेज-अस्पतालों में इसी सत्र से एमबीबीएस की 50-50 अतिरिक्त सीटों पर नामांकन की अनुमति दे दी है. इन कॉलेजों में पहले से ही शैक्षणिक मापदंड पूरा नहीं था. अतिरिक्त सीटें मिलने के बाद गैप और बढ़ गया है. हर कॉलेज में 50 छात्रों के लिए शिक्षकों के पदों का सृजन करना होगा. लैब व कक्षा में सीटें, पुस्तकालय में पुस्तकें व जर्नल और छात्रावास की सुविधाएं बढ़ानी होंगी. अगर सरकार ने सुविधाएं और शिक्षकों की संख्या नहीं बढ़ायी, तो एमसीआइ सीटों की संख्या घटा देगी या मान्यता नहीं देगी.

- एमसीआइ के पूर्व इंस्पेक्टर ही करेंगे जांच

क्षमता आकलन की तैयारी : मुख्य सचिव द्वारा एमसीआइ को दी गयी अंडरटेकिंग पर पुराने मेडिकल कॉलेजों में 50-50 अतिरिक्त सीटों पर नामांकन की अनुमति मिली है. इसके लिए काउंसिल की ओर से किसी तरह की शर्त नहीं लगायी गयी है. बस यह निर्देश है कि आगामी सत्र तक आवश्यक मापदंडों को पूरा कर लिया जाना चाहिए. इसी आधार पर आगामी सत्र के लिए नामांकन की अनुमति दी जायेगी. अब स्वास्थ्य विभाग सभी पुराने मेडिकल कॉलेजों की क्षमता का आकलन करने की तैयारी में है. विभाग की ओर से छह मेडिकल कॉलेजों के आंतरिक असेसमेंट के लिए 12 चिकित्सकों की टीम गठित की गयी है. एक मेडिकल कॉलेज का असेसमेंट दो चिकित्सक करेंगे. सभी चिकित्सक एमसीआइ के इंस्पेक्टर रह चुके हैं. विभाग के संयुक्त सचिव संजय कुमार ने बताया कि एमसीआइ के पूर्व इंस्पेक्टरों को ही रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेवारी दी गयी है. उन्हें कहा गया है कि जिस फॉर्मेट में एमसीआइ द्वारा रिपोर्ट तैयार की जाती है, उसी मापदंडों पर रिपोर्ट तैयार की जाये. वह रिपोर्ट सरकार को उपलब्ध करायी जाये. रिपोर्ट मिलने पर यह आकलन कराना आसान हो जायेगा कि किस मेडिकल कॉलेज की क्षमता क्या है.

मेडिकल कॉलेज व निरीक्षक दलों की सूची

कॉलेज	निरीक्षक
पीएमसीएच, पटना	डॉ प्रभात कुमार (एनएमसीएच)
	डॉ अशोक वात्सायन (एनएमसीएच)
एनएमसीएच, पटना	डॉ खुर्शीद आलम (पीएमसीएच)
	डॉ आरबीएन सिंह (पीएमसीएच)
एएनएमसीएच, गया	डॉ एचएम झा (डीएमसीएच)
	डॉ सी राय (डीएमसीएच)
डीएमसीएच, दरभंगा	डॉ कमलेश तिवारी (एसकेएमसीएच)
	डॉ विकास कुमार (एसकेएमसीएच)
एसकेएमसीएच,मुजफ्फरपुर	डॉ एसएन तिवारी (जेएलएनएमसीएच)
	डॉ आरके सिन्हा (जेएलएनएमसीएच)
जेएलएनएमसीएच, भागलपुर	डॉ आरबी सिंह (एएनएमसीएच)
	डॉ परवेज अख्तर (एएनएमसीएच)

पीएमसीएच व एसकेएमसीएच बने मेंटर

पटना ■ मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआइ) ने राज्य के दो नये मेडिकल कॉलेजों में 100-100 एमबीबीएस सीटों पर नामांकन की अनुमति इसी सत्र से दी है. नये मेडिकल कॉलेज होने के नाते नामांकन से लेकर शैक्षणिक सत्र में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पीएमसीएच व एसकेएमसीएच को मेंटर कॉलेज के रूप में घोषित किया गया है. स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव संजय कुमार ने बताया कि राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बेतिया के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल, मुजफ्फरपुर मेंटर कॉलेज का काम करेगा. इधर, वर्धमान आयुर्विज्ञान संस्थान, पावापुरी के लिए पीएचसीएच को मेंटर घोषित किया गया है. दोनों मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में नामांकन शुरू होनेवाला है. शैक्षणिक सत्र में परेशानी न हो, इसके लिए पीएमसीएच व एसकेएमसीएच हर तरह की मदद करेंगे.